NEW STEWART SCHOOL

8 HINDI Questions Bank

Session 2022- 2023

पाठ्य पुस्तक- नूतन सरल हिंदी माला भाग 8.

पाठ 1. हँस रही उषा (कविता)

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1. झर झर करके क्या वह चले? उत्तर- झर झर करके सूर्य की किरणें, पक्षियों के गीत एवं झरनों के स्वर वह चले।

प्रश्न2. पूर्व दिशा की लालिमा की तुलना किससे की गई है?

उत्तर- पूर्व दिशा की लालिमा की तुलना लाल रंग के गुलाब और लाल रंग के कमल से की गई है।

प्रश्न3. धीरे-धीरे क्या फैल चली?

उत्तर- धीरे-धीरे सूर्य के प्रकाश की रेखा फैल चली।

प्रश्न 4. शतदल के शीतल कोषों से कौन निकला?

उत्तर- शतदल के शीतल कोषों से भंवरा गुंजार करते हुए निकला।

प्रश्न5. कवि ने किसे पलकों की पंखुड़ियां खोलने को कहा है?

उत्तर- कवि ने इस संसार के सोए हुए नौजवानों को अपने पलकों की पंखुड़ियां खोलने को कहा है।

प्रश्न 6. कवि किन से क्या समेत लेने के लिए कह रहे हैं?

उत्तर- कवि संसार के सोए हुए बालकों से सुबह के सूरज के निकलने पर फैली हुई शोभा और चमक को अपनी आंखों में समेट लेने के लिए कह रहे हैं।

प्रश्न7. दिगंत से क्या बहती आ रही है?

उत्तर- दिगंत से तीव्र गति से नदी बहती आ रही है।

लिखित प्रश्न

प्रश्न1. प्राची का अरुणा क्षितिज कैसा प्रतीत हो रहा है?

उत्तर- प्राची का अरुणा क्षितिज आकाश रूपी तालाब में से निकले रक्तिम गुलाब और रक्तिम कमल के फूलों जैसा प्रतीत हो रहा है।

प्रश्न 2. भौंरे गुंजार क्यों करने लगे?

उत्तर- जब सुबह के सूरज की किरणें चारों दिशाओं में फैल गई और उसके फैलने से जब अंधकार मिट गया तब सौ पंखुड़ियों वाले कमल में से निकलकर हर्षाया हुआ भंवरा अपना आलस त्यागकर गुंजार करने लगा क्योंकि वह भी इस प्राकृतिक सुंदरता का कायल हो गया था और अपनी आवाज में मानो अपनी खुशी जाता रहा था।

प्रश्न 3. कवि बच्चों से क्या करने के लिए कह रहा है?

उत्तर- कवि इस संसार के सोए हुए बच्चों को अपनी पलकों की पंखुड़ियां खोलकर सुबह के सूरज के निकलने पर फैली हुई शोभा और चमक को अपनी आंखों में समेट लेने को कह रहा है।

प्रश्न 4. हंस रही उषा से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- इस कविता में कवि भारत भूषण अग्रवाल ने प्रभात के दृश्य का बहुत सुंदर वर्णन किया है। इस समय पूर्व के क्षितिज पर लाली छा जाती है। जिससे अंधकार का लोप होने लगता है। कवि को लगता है कि उषा हंस रही हैं।

प्रश्न 5. सूर्योदय से पूर्व प्रकृति की शोभा का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए।

उत्तर- सूर्योदय से पूर्व प्रकृति की शोभा दर्शनीय होता है। अंधकार धीरे-धीरे लुप्त होने लगता है। पक्षियों चहचहाने लगती है। पूरब की क्षितिज पर लाली छा जाती है। नदी झरनों की मधुर आवाज आने लगती है।

पाठ 2. मंत्र (कहानी)

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1. डॉक्टर चड्ढा कहां जाने के लिए तैयार हो रहे थे?

उत्तर- डॉ चड्ढा गोल्फ खेलने के लिए मैदान में जाने के लिए तैयार हो रहे थे।

प्रश्न2. बूढा व्यक्ति डॉक्टर के पास क्यों आया था?

उत्तर- बूढ़ा व्यक्ति डॉक्टर के पास अपने बेटे के इलाज के लिए आया था।

प्रश्न 3. बूढ़े व्यक्ति ने डॉक्टर साहब से गिड़गिड़ा कर क्या कहा?

उत्तर- बूढ़े व्यक्ति ने डॉक्टर साहब से गिड़गिड़ा कर अपने बेटे की जान बचाने के लिए कहा। जो कई दिनों से बीमार चल रहा था।

प्रश्न 4. डॉक्टर चड्ढा ने बूढ़े व्यक्ति के बेटे का इलाज क्यों नहीं किया? उत्तर- डॉक्टर चड्ढा ने बूढ़े व्यक्ति के बेटे का इलाज नहीं किया क्योंकि उस समय वह गोल्फ खेलने के लिए मैदान जा रहे थे और उनके पास समय नहीं था। उनके हिसाब से ऐसे गंवार देहाती उनके पास रोज आया करते थे।

प्रश्न5. बूढा व्यक्ति दूसरे डॉक्टर के पास क्यों नहीं गया?

उत्तर- बूढ़ा व्यक्ति चारों तरफ से निराश होकर डॉक्टर के पास बड़ी उम्मीद लेकर आया था। उसने उनकी बड़ी तारीफ सुनी थी परंतु डॉक्टर साहब के चले जाने पर वह निराश हो गया और उसने सोच लिया कि शायद किस्मत में लिखा ही नहीं। इस वजह से वह दूसरे डॉक्टर के पास नहीं गया।

प्रश्न6. डॉक्टर चड्ढा के घर किसकी सालगिरह की पार्टी थी?

उत्तर - डॉक्टर के घर उन्हीं के बेटे कैलाश की सालगिरह की पार्टी थी। प्रश्न7. मृणालिनी ने कैलाश को क्या दिखाने की जिद की?

उत्तर- मृणालिनी ने कैलाश को उसके पास रखे गए सांपों को दिखाने की जिद की।

प्रश्न8. डॉक्टर चड्ढा ने अपने बेटे को बचाने के लिए कौन-कौन से प्रयत्न किए?

उत्तर- डॉक्टर चड्ढा ने अपने बेटे को बचाने के लिए पहले उसकी उंगली काटने की बात की परंतु उसके ना मानने पर मंत्र से झाड़ने वाले व्यक्ति को ढूंढने की बात भी मानी गई।

प्रश्न9. डॉक्टर चड्ढा के बेटे को किसने बचाया? उत्तर डॉक्टर चड्ढा के बेटे को भगत नामक उसी बूढ़े व्यक्ति ने बचाया जिसके बेटे के इलाज करने से डॉक्टर ने मना कर दिया था।

लिखित प्रश्न

प्रश्न1. बूढ़े व्यक्ति ने डॉक्टर चड्ढा से अपने बेटे के इलाज के लिए किस प्रकार प्रार्थना की?

उत्तर- बूढ़े व्यक्ति ने डॉक्टर चड्ढा से अपने बेटे के इलाज के लिए प्रार्थना की कि एक नजर देख ले, नहीं तो लड़का हाथ से चला जाएगा। छह लड़कों में बस यही एक बचा है। इसकी जान बचा लो सरकार।

प्रश्न2. डॉ चड्ढा ने बूढ़े व्यक्ति के बेटे को देखने से मना क्यों कर दिया?

उत्तर- डॉक्टर चड्ढा ने बूढ़े व्यक्ति के बेटे को देखने से मना कर दिया क्योंकि उस समय वह गोल्फ खेलने के लिए मैदान जा रहे थे। उनके पास समय नहीं था। उनका कहना था कि ऐसे गंवार देहाती यहां रोज जाया करते हैं।

प्रश्न 3. ‘कोई व्यक्ति इतना कठोर हो सकता है, इसका विश्वास नहीं होता।‘ इस पंक्ति से डॉक्टर साहब के बारे में क्या पता चलता है?

उत्तर डॉक्टर साहब के बारे में पता चलता है कि वे कठोर स्वभाव के थे। जो भगत के बीमार पुत्र को देखने से इंकार कर देते हैं। डॉक्टर के नाम पर वे कलंक थे। उनमें मानवीय गुण का अभाव था।

प्रश्न 4. कैलाश में मृणालिनी की जिद को किस प्रकार पूरा किया?

उत्तर कैलाश ने मृणालिनी की जिद को पूरा करने के लिए सांपों के पिटारों के पास गया और उसने बीन बजाने शुरू कर दी। फिर एक-एक पिटारे से सांप को निकाल कर अपनी गर्दन में लपेटने लगा।

प्रश्न5. सांप दिखाने के दौरान क्या घटना घटी?

उत्तर सांप के दाँत दिखाने के दौरान जैसे ही कैलाश ने सांप पर से हाथ ढीला किया, सांप ने उसे डस लिया। प्रश्न6. डॉक्टर साहब बूढ़े व्यक्ति से क्षमा क्यों मांगना चाहते थे?

उत्तर- डॉक्टर साहब बूढ़े व्यक्ति से क्षमा मांगना चाहते थे क्योंकि आज उन्हें अपने पर ही शर्म आ रही थी। एक समय उसी बूढ़े व्यक्ति की मदद उन्होंने नहीं की थी। जिसकी वजह से उनका बेटा गुजर गया था। आज उसी बूढ़े व्यक्ति ने डॉक्टर साहब के बेटे की जान बचाई थी।

पाठ 3.अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1. मानव का प्रकृति से किस प्रकार का संबंध है?

उत्तर मानव और प्रकृति का संबंध अटूट एवं अभिन्न संबंध है। जन समुदाय प्रकृति के जितना निकट होता है, उसके नियमों का पालन करता हैं, उतना ही ऊर्जावान और स्वस्थ बना रहता है। प्रकृति से दूर रहने के प्रयास में उसकी सुख- शांति छीन सकती है और उसका तन मन कलुषित हो जाता है।

प्रश्न 2. हमारा शरीर कितने तथा कौन कौन से तत्वों से मिलकर बना है?

उत्तर- हमारा शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है। वे तत्व है पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश।

प्रश्न3. योग द्वारा कौन सी क्रिया दुरूस्त होती है?

उत्तर योग द्वारा उपापचय की क्रिया दुरूस्त होती है और श्वसन क्रिया संतुलित होती है।

प्रश्न4. पाठ में नायाब खजाना किसे कहा गया है?

उत्तर - पाठ में योग को एक नयाब खजाना कहा गया है।

प्रश्न 5. विश्व भर में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया गया?

उत्तर- विश्व भर में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया।

प्रश्न6. प्रथम योग दिवस का समारोह कहां आयोजित किया गया?

उत्तर- प्रथम योग दिवस का समारोह दिल्ली में आयोजित किया गया।

प्रश्न 7. दूसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय क्या था?

उत्तर- दूसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय ‘कनेक्ट द यूथ' था।

पाठ से प्रश्न

प्रश्न1. विद्वान पुरुष मनुष्य को प्रकृति से प्रयासपूर्वक जुड़े रहने की सलाह क्यों देते हैं?

उत्तर- विद्वान पुरुष मनुष्य को प्रकृति से प्रयास पूर्वक जुड़े रहने की सलाह देते हैं क्योंकि वह प्रकृति से जितना निकट रहेगा उतना ही ऊर्जावान और स्वस्थ बना रहेगा। प्रकृति से दूर रहने पर उसकी सुख शांति छिन जाएगी तथा उनका तन - मन कलुषित होता जाएगा।

प्रश्न2. योगिक क्रियाएं किन्हे कहा जाता है तथा वे मनुष्य को किस प्रकार योग्य बनाती है? उत्तर योग आसनों के समूह को यौगिक क्रियाएं कहा जाता है। यह मनुष्य को अपनी शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं का भरपूर उपयोग करने के योग्य बनाती है।

प्रश्न3. योग से होने वाले फायदों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर- योग से उपापाचन क्रिया दुरुस्त होती है और श्वसन क्रिया संतुलित होती है। हमारे शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। नियमित योग करने से जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता है और मन में सकारात्मक भाव उत्पन्न होते हैं। हमारे अंदर धैर्य, आत्मविश्वास, दृढता आदि गुण विकसित होते हैं।

प्रश्न4. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पहली बार कब तथा किस प्रकार आयोजित किया गया?

उत्तर- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 21 जून 2015 को मनाया गया। भारत में पहली बार योग दिवस का मुख्य समारोह दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 36000 लोगों ने भाग लिया। यौगिक क्रियाओं को संपन्न कराने के लिए भारत के प्रसिद्ध योग गुरु बाबा रामदेव ने 35 मिनट का विशेष पैकेज तैयार किया था।

प्रश्न 5. प्रथम योग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कौन से ग्रीनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हुए?

उत्तर- प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हुए। एक तो दुनिया की सबसे बड़ी योग क्लास यानी 35985 लोगों द्वारा एक साथ योग अभ्यास करना और दूसरा 84 देशों के लोगों द्वारा एक साथ भाग लेने का रिकॉर्ड।

प्रश्न6. दूसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कब कहां और किस प्रकार मनाया गया?

उत्तर- दूसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2016 को आयुष मंत्रालय ने द नेशनल इवेंट ऑफ मास योगा डेमोंसट्रेशन नामक एक समारोह का आयोजन चंडीगढ़ में किया था। जिसका विषय था कनेक्ट द यूथ।

प्रश्न7. योग क्रियाओं का अनुसरण करने से हमें क्या लाभ है? उत्तर योग क्रियाओं का अनुसरण करने से हम शरीर को स्वस्थ और मन को ऊर्जावान रख सकते हैं। निराशा को दूर भगा सकते हैं तथा आशावन होकर सफल जीवन का आनंद ले सकते हैं। यह आतंकवाद, उग्रवाद जैसी वर्तमान विश्व की भयानक समस्याओं के स्थायी समाधान में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

पाठ-5. हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती (कविता)

कवि- डॉ हरिवंश राय बच्चन

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1. किनकी हार नहीं होती?

उत्तर हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

प्रश्न 2. चींटी के हृदय में साहस कौन भरता है?

उत्तर- चींटी के हृदय में साहस मन का विश्वास भरता है।

प्रश्न 3. किसकी मुट्ठी हर बार खाली नहीं होती?

उत्तर - गोताखोर की मुट्ठी हर बार खाली नहीं होती।

प्रश्न 4. मैदान छोड़ भागने का क्या अर्थ है?

उत्तर- मैदान छोड़ भागने का अर्थ है कायर या डरपोक होना।

पाठ से प्रश्न

प्रश्न1. नन्हीं चींटी की क्या विशेषता है?

उत्तर- नन्हीं चींटी की विशेषता है कि वह कभी भी अपना आत्मविश्वास नहीं हारती। जब वह दाना लेकर दीवारों पर चढ़ती है, तो कई बार फिसल कर गिर जाती है लेकिन उसके बावजूद वह कभी हार ना मान कर पुनः उस दीवार पर चढ़ने की कोशिश करती है और अंत में सफल होती है।

प्रश्न2. उसकी हिम्मत कैसे बेकार नहीं जाती?

उत्तर- नन्ही चींटी की मेहनत बेकार नहीं जाती क्योंकि वह सफलता प्राप्ति के लिए बार-बार प्रयत्न करती है और अपने आत्मविश्वास को कभी कम नहीं होने देती है।

प्रश्न 3 गोताखोर को सागर से मोती निकालने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है? यहां कवि ने उसका उदाहरण क्यों दिया है?

उत्तर- गोताखोर को सागर से मोती निकालने के लिए सागर में बार-बार डुबकियां लगानी पड़ती है। असफल होने पर भी वह जोश और उत्साह को कम नहीं होने देता और अंत में उसके हाथ में मोती लग ही जाती है। कवि ने उसका उदाहरण यहां इसलिए दिया है ताकि उसके द्वारा किए गए मेहनत से हमें सीख मिले कि हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

प्रश्न4. चढ़कर गिरना गिरकर चढ़ना ना अखरता है। कवि ने यह पंक्ति किसके लिए लिखी और क्यों?

उत्तर- चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना ना अखरता है, - कवि ने यह पंक्ति चींटियों के लिए लिखी क्योंकि दीवारों पर चढ़ने के बाद अनेक बार फिसलने पर भी वह हार नहीं मानती। अपनी कोशिश जारी रखती है और अंत में सफलता हासिल करती है।

प्रश्न5. कुछ किए बिना ही जय जयकार नहीं होती का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - कुछ किए बिना ही जय- जयकार नहीं होती, इस पंक्ति का अर्थ यह है कि इस संसार में जितने भी मनुष्य सफल हुए हैं। उन्होंने उस सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत की है‌। हर कार्य की शुरुआत निचले स्तर से की जाती है और धीरे-धीरे उसमें सफल होते होते ऊंचे स्तर पर पहुंचे जाते हैं। कहने का तात्पर्य है कि घर बैठे- बैठे कभी किसी की जय- जयकार नहीं होती। अतः हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

**पाठ 9. संतोष की सरिता**

मौखिक प्रश्न-1

प्रश्न 1.लड्डू का प्रसाद कौन बांट रही थी ?

उत्तर-लड्डू का प्रसाद लेखक की पत्नी नीलिमा बांट रही थी।

प्रश्न2. किसे देखकर लेखक को लगा कि वह उनका कोई पूर्व परिचित है?

उत्तर- लेखक की पत्नी नीलिमा मंदिर में एक आदमी को लड्डू देने लगी तो उसने पूरा लेने से इनकार करते हुए, अंश मात्र लेकर सिर पर छुआ लिया। उस आदमी को देखकर लेखक को लगा कि वह उनका कोई पूर्व परिचित है।

प्रश्न3.- क्या सचमुच वह उनका पूर्व परिचित था ? लेखक को क्या स्मरण हो आया?

उत्तर- हां, सचमुच वह वह आदमी जिसे नीलिमा ने लड्डू दिए थे, वह लेखक का पूर्व परिचित था‌। लेखक को स्मरण हो आया कि वे नाथूखेड़ी में जब स्टेशन मास्टर थे तब ऑफिस में राम राम बाबूसा कहते हुए पटेल जी ने उनका अभिवादन किया था और उनके एक सहयोगी ने उनसे उनका परिचय करवाया था। उनकी घनी मूछों में उनका चेहरा चमक रहा था।

प्रश्न-4. नाथूखेड़ी गांव के पटेल जी की क्या आदत थी ?

उत्तर- अपने इलाके के अफसर से बिना किसी स्वार्थ के मेल - मिलाप रखना नाथूखेड़ी गांव के पटेल जी की आदत थी।

प्रश्न5. पटेल जी का पूरा नाम क्या था ?

उत्तर- पटेल जी का पूरा नाम भैरुलाल पटेल था।

मौखिक प्रश्न-2

प्रश्न1. पटेल जी के अपना घर छोड़ने का तात्कालिक कारण क्या था?

उत्तर- एक दिन पटेल जी की छोटी बहू ने साग में नमक नहीं डाला। खाना खाते समय बहू से कहने पर उसने उनके सामने से थाली खींच ली। उस समय उनकी सहनशक्ति के बाहर हो गई और वह उसी दिन तत्काल अपना घर छोड़ दिए।

प्रश्न2. वह कौन से मंदिर पर सोते बैठते थे ?

उत्तर- पटेल जी पंचमुखी मंदिर पर सोते बैठते थे।

प्रश्न2. घर लाने की तरकीब लेखक को किसने सुझाई?

उत्तर- घर लाने की तरकीब लेखक को उनकी पत्नी नीलिमा ने सुझाई।

प्रश्न3. पटेल जी किस शर्त पर लेखक के घर चलने को राजी हुए?

उत्तर- पटेल जी इस शर्त पर लेखक के घर चलने को राजी हुए कि वे ट्रेनिंग से आते ही उन्हें पंचमुखी मंदिर पहुंचा देंगे।

मौखिक प्रश्न.2

प्रश्न1. डेढ़ माह की अवधि के बाद काकासा नीलिमा से क्या सवाल पूछते थे?

उत्तर- डेढ़ माह की अवधि के बाद काकासा नीलिमा से सवाल पूछते थे कि बहूजी, भैया जी ट्रेनिंग से कब वापस आएंगे?

प्रश्न-2. नीलिमा पटेल जी के साथ कैसा व्यवहार कर रही थी?

उत्तर- नीलिमा पटेल जी की खूब सेवा कर रही थी। उन्हें लगातार दवा दे रही थी जिससे उनकी बिगड़ी खांसी ठीक हो गई थी। उनके झुर्ड़ीदार सूखे चेहरे पर अब आभा झलकने लगी थी।

प्रश्न3. काकासा ने लेखक से किस बात की इजाजत मांगी?

उत्तर- काकासा ने लेखक से पंचमुखी मंदिर जाने की इजाजत मांगी। जहां वे रहते थे।

प्रश्न 4. लेखक ने काका सा को किस प्रकार रोका।

उत्तर- लेखक ने काकासा को समझाया कि यदि आपके साथ हादसा घटित नहीं होता तो आप अपना घर नहीं छोड़ते और अपने बेटों पर उस हालत में स्वयं को बोझ ना समझते। आप हमें पराया समझते हैं । हम पराए हैं तभी तो आप स्वयं को हम पर बोझ मानते हैं। काकासा निरुत्तर होकर लेखक के यहां रहने को राजी हो गए। इस प्रकार लेखक ने काका सा को पंचमुखी मंदिर में रहने के लिए जाने से रोका।

प्रश्न 5. संतोष की सरिता किसके ह्रदय में कल-कल नाद करती प्रतीत होती थी और क्यों?

उत्तर- संतोष की सरिता लेखक के हृदय में कल कल नाद करती प्रतीत होती थी क्योंकि उनके बाबू जी गुजर गए थे। वह काका सा को साफ-सुथरे वस्त्रों में सुखी संतुष्ट से बैठक में बैठे इधर उधर से आते जाते देखते तो उन्हें लगता कि काकासा उनके सच के बाबूजी है।

पाठ से प्रश्न (‌Comprehension based on lesson)

प्रश्न-क. लेखक के साथ पटेल जी का परिचय एवं घनिष्ठता कब, कहां और कैसे हुई ?

उत्तर- जब लेखक नाथूखेड़ी में स्टेशन मास्टर थे तब उनका परिचय एवं घनिष्ठता पटेल जी से हुई। एक दिन स्टेशन पर मेल ट्रेन को ऑलराइट सिंगनल दिखाकर जब वे ऑफ़िस में आए तो एक घनी मूछों वाला व्यक्ति उनसे राम राम बाबू सा कहकर उनका अभिवादन किया। लेखक ने राम-राम का प्रत्युत्तर दिया। उसी समय वहां उपस्थित उनके एक सहयोगी ने लेखक से उनका परिचय करवाया कि वह नाथूखेड़ी गांव के पटेल जी हैं जो उस इलाके के जाने-माने व्यक्ति हैं। हर बाबूसा हाकिम हुक्मरानों से बिना किसी स्वार्थ के मेल मिलाप रखने की इनकी आदत है। कुछ ही दिनों में लेखक को पटेल जी से अत्यधिक घनिष्ठता हो गई थी। लेखक का परिवार उस समय नाथूखेड़ी में नहीं रहता था। अतः भोजन पटेल जी ही रोजाना भेजते थे।

प्रश्न-ख. पहचानने पर भी पटेल जी ने लेखक का हाथ ही क्यों थामा?

उत्तर- पहचानने पर भी पटेल जी ने लेखक का हाथ ही थमा क्योंकि उस समय वे अपने कपड़ों को देखकर हिचकिचा गए। उनके कपड़े कई जगह से फटे हुए थे और उन पर अलग कपड़ों की टांके लगी हुई थी।

प्रश्न-ग. वृद्ध पटेल जी ने अपनी आपबीती क्या सुनाई? उत्तर- वृद्ध पटेल जी ने अपनी आपबीती कथा लेखक को सुनाई कि नाथूखेड़ी से उनका तबादला होने के बाद घरवाली मर गई। घरवाली की मृत्यु से मन ऐसा बैरागी हुआ कि रिश्ते नाते मोह माया जीव के लिए झूठे प्रपंच से लगने लगे। उन से छुटकारा पाने के लिए मन बेचैन हो उठा। इन्हीं विचारों में वे अपने पास की सारी नगदी, जेवर, जमीन, जायदाद दोनों लड़कों में बांट दी। कुछ इधर-उधर जरूरतमंद लोगों को दे दी। कुछ दिनों तक दोनों लड़के समय पर उन्हें रोटी पानी देते रहते। ‌दो साल बाद उनके रोटी पानी को लेकर दोनों बेटे आपस में झगड़ने लगे। गांव वालों के कहने पर एक सप्ताह एक बेटे के यहां, तो दूसरे सप्ताह दूसरे बेटे के यहां भोजन करता। एक दिन छोटी बहू ने साग में नमक ना होने पर उससे कहने पर उसने उनके सामने से थाली खींच ली। उस दिन सहन शक्ति के बाहर हो गई और उसी दिन तत्काल घर छोड़ दिए। किसी ने उन्हें ढूंढने की कोशिश नहीं की और उन्होंने भी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

प्रश्न-घ. लेखक के बहुत कहने पर भी वे उनके घर आने को राजी क्यों नहीं हुए?

उत्तर- लेखक के बहुत कहने पर भी वे (पटेल जी) उनके घर आने को राजी नहीं हुए क्योंकि वे स्वाभिमानी व्यक्ति थे और किसी पर बोझ बनना नहीं चाहते थे। उन्हें दूसरे के यहां रहना अच्छा नहीं लगता था।

प्रश्न-ड़. मंदिर से आते समय लेखक ने क्या सोचा और क्या किया?

उत्तर- मंदिर से आते समय लेखक ने पटेल जी को अपने घर लाने का तरकीब सोचता रहा। वे घर आकर काकासा (पटेल जी) के बारे में सारी बातें अपनी पत्नी नीलिमा को बताई तो वह बहुत दुखी हुई। उनकी पत्नी ने काकासा को अपने घर लाने की तरकीब सुझाई। पत्नी की राय पर लेखक उन्हें लेने पंचमुखी मंदिर पहुंच गया।

प्रश्न-च. पटेल जी की आंखों में एकाएक पानी का सैलाब क्यों आया?

उत्तर- पटेल जी लेखक का घर छोड़ कर फिर से पंचमुखी मंदिर में रहने के लिए जाना चाहते थे। जब लेखक ने उनसे कहा कि आप हमें पराया समझते हैं। हम पराए हैं तभी तो आप स्वयं को हम पर बोझ मानते हैं और यहां रहना नहीं चाहते। लेखक की बात सुनकर पटेल जी निरुत्तर हो गए। लेखक के अपनापन, सम्मान और प्रेम की भावना देखकर उनकी आंखों में एकाएक पानी का सैलाब उमर आया।

प्रश्न-छ. इस कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- प्रस्तुत कहानी का शीर्षक संतोष की सरिता पूर्णता सार्थक और सटीक है। अपनेपन और प्रेम का भाव ही एक परिवार का आधारशिला है स्नेहपूर्ण संबंध ही आपस में जीवन में संतुष्टि का अनुभव कराते हैं। अपने पराए की सोच त्याग कर छोटे बड़ो सभी के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव इस कहानी में दिखाया गया है। लेखक के पिता जीवित नहीं है। यह अपने पराए का भेदभाव मिटाकर काकासा को अपने घर में लाकर रखते हैं‌। काकासा को देखकर उनके ह्रदय में संतोष की सरिता कल- कल नाद करती प्रतीत होती है। उन्हें लगता है कि सचमुच में काकासा ही उनके बाबूजी हैं।

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर

प्रश्न1. संतोष के सरिता कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए‌

उत्तर- प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य लेखक द्वारा अपने माता पिता की सेवा से जी चुराने वाला तथा कथित आधुनिक एवं सभ्य कहलाने वाली युवा पीढ़ी पर पैनी कटाक्ष करना है। लेखक ने अपनी पत्नी नीलिमा के कथन द्वारा बताया है कि बुजुर्ग तो पूजनीय होते हैं। उनकी दुआ से घर में सुख, चैन, समृद्धि आती है। वह परिवार के सिर पर शीतल सघन छाया होते हैं। ऐसे में हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। उनका पूरा सम्मान करना चाहिए तथा उनकी सेवा करनी चाहिए। बड़ों के दिशा निर्देशन एवं उनके पालन पोषण के परिणाम स्वरुप ही हम जीवन में कुछ बन पाते हैं।

प्रश्न2. प्रस्तुत कहानी से हमें क्या शिक्षा /सीख मिलती है?

उत्तर- संतोष की सरिता कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें अपने माता-पिता तथा घर के बड़े बूढ़ों का सम्मान करना तथा सेवा करनी चाहिए। अपनेपन और प्रेम का भाव ही एक परिवार की आधारशिला है। स्नेहपूर्ण संबंध ही आपस में जीवन में संतुष्टि का अनुभव कराते हैं। हर रिश्ता अपने आप में अतुल्य होता है। हमें रिश्तों की कद्र करनी चाहिए।

प्रश्न- विलोम शब्द लिखिए:-

परिचित- अपरिचित

उपस्थित -अनुपस्थित

बुढ़ापा- बचपन

निकृष्ट -उत्कृष्ट

सज्जन- दुर्जन

विषाद- हर्ष

सुरक्षित- असुरक्षित

निश्चिंत- चिंतित।

SECOND TERM Questions Bank

Session 2022- 2023

NEW STEWART SCHOOL

Class:-8 Hindi

पाठ- 10 जलाते चलो कविता

कवि - द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

मौखिक प्रश्न

प्रश्न 1.कवि यहां क्या जलाने की बात कर रहे हैं?

उत्तर - कवि यहां स्नेह के दीए जलाने की बात कर रहे हैं।

प्रश्न2. मनुष्य ने पहली बार कौन सी चुनौती स्वीकार की थी?

उत्तर - मनुष्य ने पहली बार तिमिर अर्थात अंधकार को दूर करने के लिए पहला दीप जलाने की चुनौती स्वीकार की थी।

प्रश्न3. कौन सी कहानी चली आ रही है और चलती रहेगी ?

उत्तर- दीए और तूफान की कहानी चली आ रही है और चलती रहेगी।

प्रश्न 4. इस कविता का मुख्य भाव क्या है?

उत्तर- इस कविता का मुख्य भाव संपूर्ण विश्व में से स्वार्थ का साम्राज्य हटाकर अपने हित के लिए किए गए कार्यों को त्याग कर, हिंसा, द्वेष,लोभ, मोह और अराजकता को छोड़कर प्यार के दीए जलाना है।

लिखित

प्रश्न1. धरती पर व्याप्त अंधकार को दूर करने के लिए कवि हमें क्या करने के लिए कहते हैं ?

उत्तर धरती पर व्याप्त अंधकार को दूर करने के लिए कवि हमें प्यार से भरे हुए दीए जलाने की बात कहते हैं। कवि का मानना है कि अगर हम प्यार के दीए जलाएंगे, लोगों से प्यार से बातें करेंगे तो इस संसार से अंधकार रूपी शैतान दूर हो जाएगा।

प्रश्न 2. अंधकार की सरिता पार करने के लिए मनुष्य ने क्या तैयार किया था?

उत्तर- अंधकार की सरिता पार करने के लिए मनुष्य ने दीप की नाव तैयार की थी। जिसे निरंतर चलाने से एक ना एक दिन तिमिर का किनारा जरुर मिलेगा।

प्रश्न 3. समय किस बात का साक्षी है?

उत्तर- समय साक्षी है कि जिस तरह मनुष्य ने अंधकार रूपी चट्टानों पर अनगिनत दीयो को जलाया ताकि प्रकाश की किरण चारों तरफ फैल जाए, परंतु इन जलते हुए दीए को कई बार हवाओं ने बुझा दिया। कहने का तात्पर्य है कि मनुष्य ने अपने जीवन को सुधारने के लिए कई कोशिशें की है और इस दौरान उसने तूफानों और विभीषिकाओ को झेला लेकिन संघर्ष करने का हौसला उसका कभी नहीं बुझा।

प्रश्न 4 - प्रथम बार जल्दी जो दिए कि लौ, वह किस प्रकार जलती रही और कवि को लौ से क्या आशा है?

उत्तर- प्रथम बार जल्दी जो दिए की लौ, वह सोने के समान चमकती सी जलती रही कवि को लौ से यह आशा है कि कभी ना कभी उस लौ की वजह से इस संसार का अंधकार जरूर मिट जाएगा।

प्रश्न 5. संपूर्ण कविता के माध्यम से कवि ने किस चीज की आशा व्यक्त की है। उनके मन में कैसा विश्वास है?

उत्तर - संपूर्ण कविता के माध्यम से कवि ने हर व्यक्ति के अंदर स्नेह भाव जगाने की आशा व्यक्त की है।और उसी स्नेह के भाव को पूरे संसार में फैलने की बात की है। ताकि बाहर का अंधकार अर्थात हिंसा, द्वेष आदि दूर हो जाए । उनके मन में यह विश्वास है कि मनुष्य इस अंधकार रूपी दुश्मन से जरूर जीत पाएगा।

प्रश्न6. प्रस्तुत कविता का प्रसंग लिखिए।

उत्तर प्रस्तुत कविता हमारी पाठ्य पुस्तक हिंदी के नूतन सरल हिंदी माला भाग दूसरी से ली गई है। जिसके कवि श्री द्वारिका प्रसाद महेश्वरी जी है। इस कविता में उन्होंने पूरे समाज को स्नेह के दीए जलाकर अंधकार रुपी हिंसा, द्वेष, लोभ, मोह, अनीति और अराजकता को दूर करने का आग्रह किया है।

पाठ 11 - गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1. रवि नाम का बालक कहां रहता था?

उत्तर- रवि नाम का बालक उत्तरी कोलकाता के चितपुर रोड से लगी द्वारकानाथ ठाकुर की गली में एक तिमंजिला महल में रहता था।

प्रश्न2. रविंद्र नाथ के पिता का नाम क्या था? उन्हें महर्षि क्यों कहा जाता था?

उत्तर- रविंद्रनाथ के पिता का नाम देवेंद्र नाथ ठाकुर था। संतो जैसे आचार - विचार के कारण उन्हें महर्षि कहा जाता था ।

प्रश्न 3. रवि ने स्कूल जाना क्यों बंद कर दिया?

उत्तर- रवि ने स्कूल जाना बंद कर दिया क्योंकि उन्हें बंद कमरे की पढाई सहन नहीं होती थी। स्कूल उन्हें जेल के समान लगता था। तीन स्कूल आजमा लेने के बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी।

प्रश्न 4. रवींद्रनाथ अपने पिता के साथ किस -किस स्थान की यात्रा पर गए? अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने कौन सा पद्य नाटक लिखा?

उत्तर- रविंद्र नाथ अपने पिताजी के साथ हिमालय की यात्रा पर गए। जिस बीच वे पश्चिम बंगाल के बोलपुर नामक स्थान भी पहुंचे। जहां महर्षि देवेंद्र नाथ ने चिंतन मनन के लिए एक आश्रम बनाया था। एक ज जिसका नाम था- शांतिनिकेतन। अपनी इस यात्रा के दौरान रवींद्रनाथ ने राजा पृथ्वीराज की ऐतिहासिक पराजय के बारे में एक पद्य नाटक लिखा।

प्रश्न5. - 17 वर्ष की उम्र में रविंद्र नाथ को विलायत क्यों भेजा गया?

उत्तर- सत्रह वर्ष की उम्र में रविंद्रनाथ को इस आशा से विलायत भेजा भेज दिया गया कि वे पढ़ लिखकर बड़े अफसर या बैरिस्टर बन जाए।

प्रश्न 6. गीत नाट्य बाल्मीकि प्रतिभा में किस विषय का वर्णन किया गया है।

उत्तर - गीत नाट्य बाल्मीकि प्रतिभा में रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का डाकू से महाकवि बनने के विषय का वर्णन किया गया है।

प्रश्न7.- रवींद्रनाथ ने बच्चों के लिए कौन-कौन सी कविता पुस्तकों की रचना की?

उत्तर- रवींद्रनाथ ने बच्चों के लिए बृष्टि पड़े टापुर- टुपुर, शिशु ,शिशु भोलानाथ आदि अनेक कविता- पुस्तकों की रचना की। इसके साथ ही उन्होंने राजर्षि नामक एक उपन्यास भी लिखा।

प्रश्न8. नोबेल पुरस्कार में प्राप्त पूरी रकम को कवि ने किन कामों में लगा दिया?

उत्तर- नोबेल पुरस्कार में प्राप्त पूरी रकम को कवि ने शांतिनिकेतन आश्रम के कामों में लगा दिया। एक ग्रामीण सहकारी बैंक भी खोला गया, ताकि देहातिओं का उपकार हो और उन्हें सस्ते ब्याज पर ऋण मिल सके।

प्रश्न 9. विश्व भारती विद्यालय का आदर्श वाक्य क्या है?

उत्तर- विश्व भारती विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य "यत्र विश्वम्भवत्येकनीड़म" रखा गया है, जिसका अर्थ है जहां सारा संसार एक ही घोंसला बन जाए।

लिखित प्रश्न

प्रश्न1. रविंद्रनाथ का जन्म किस परिवार में हुआ था? उनका बचपन किस तरह से बीता?

उत्तर- रविंद्र नाथ के दादा द्वारका नाथ ठाकुर प्रिंस यानी राजा कहलाते थे। उसी परिवार में रविंद्रनाथ का जन्म 7 मई 1861 को हुआ था। उनका बचपन परिवार के और बच्चों की ही तरह बड़ी सादगी से बिता। भाई -बहनों में तेरह उनसे बड़ें थे। शैशवावस्था को पार करते ही रवि हवेली से बाहर कर दिए गए। उन्हें महिलाओं की देखभाल से छुट्टी दिला कर नौकरों के हवाले कर दिया गया। उन दिनों धनी घरों की यही रीति थी। रात को सिर्फ सोने के लिए मां के पास जा पाते । सोते समय एक बूढ़ी दादी उन्हें परियों की कहानियां सुनाया करती।

प्रश्न2. रवींद्रनाथ ने अपने घर पर किन-किन विषयों की पढ़ाई की?

उत्तर- रवींद्रनाथ ने अपने घर पर संस्कृत, इतिहास, भूगोल, विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, संगीत, चित्रकला और अंग्रेजी आदि विषयों की पढ़ाई की।

प्रश्न3. हिमालय की यात्रा के दौरान महर्षि देवेंद्र नाथ किस स्थान पर पहुंचे? उन्होंने अपने पुत्र को किन बातों की शिक्षा दी?

उत्तर- हिमालय की यात्रा के दौरान महर्षि देवेंद्र नाथ पश्चिम बंगाल के बोलपुर नामक स्थान में पहुंचे। उस यात्रा में पिताजी ने रवि को संस्कृत, अंग्रेजी और गणित, ज्योतिष सिखाने के साथ-साथ जवाबदेही संभालना भी सिखाया।

प्रश्न4. कवि रवींद्रनाथ की प्रमुख रचनाओं के बारे में जानकारी दीजिए।

उत्तर कवि रवींद्रनाथ की प्रमुख रचनाएं निम्नलिखित है:- विष्टि पड़े टापुर-टुपुर, शिशु, शिशु भोलानाथ, उपन्यास राजर्षि, गीतांजलि आदि।

प्रश्न5. शिक्षा के मामले में कवि की क्या धारणा थी? बच्चों की शिक्षा दीक्षा की दृष्टि से उनके द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर शिक्षा के मामले में कवि का विचार था कि बच्चों का लालन-पालन सीधे-साधे देहाती वातावरण में प्रकृति की गोद में होना चाहिए। आखिर उन्होंने शांतिनिकेतन को अपने मन के अनुरूप विद्यालय बना लिया‌। 1901 में यह विद्यालय चालू हो गया जो कि अब बढ़ते बढ़ते विश्व भारती विश्वविद्यालय के रूप में देश दुनिया में प्रसिद्ध है।

प्रश्न6. अपनी विदेश यात्राओं से कवि के मन में कौन सी धारणा बनी?

उत्तर- अपने विदेश यात्राओं से कवि के मन में यह धारणा बनी कि सभी देशों की जनता में मित्रता और प्रेम की भावना के आदान-प्रदान के बिना संसार में सुख शांति की आशा करना व्यर्थ है।

पाठ - वर्षा जल संचयन

मौखिक प्रश्न- 1

प्रश्न1. आज विश्व में कौन सी समस्या विकट रूप ले रही है?

उत्तर- आज विश्व में जल संकट की समस्या विकट रूप ले रही है।

प्रश्न2. आंकड़ों के अनुसार विश्व में कितने लोगों को पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है?

उत्तर- आंकड़ों के अनुसार विश्व में सौ करोड़ से भी ज्यादा लोगों को पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है।

प्रश्न3.- जल चक्र क्या है ?

उत्तर- वर्षा के रूप में बरसना और भाप बनकर उड़ जाना, बादल बनना और फिर बरस पड़ना। यही जल चक्र है, जो समस्त जीवन की क्रियाओं का आधार है।

प्रश्न4.- राजीव गांधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन कब तथा किसने बनाया ?

उत्तर- राजीव गांधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन सन 1986 में भारत सरकार ने बनाया।

मौखिक प्रश्न

प्रश्न 1- चेरापूंजी में औसतन कितनी वर्षा होती है?

उत्तर- चेरापूंजी में औसतन 1100 मिलीमीटर वर्षा होती है ।

प्रश्न2- वर्षा का जल बचाने के लिए किसी योजना पर बल दिया जा रहा है?

उत्तर- वर्षा का जल बचाने के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग योजना पर बल दिया जा रहा है।

प्रश्न3 - रेनवाटर हार्वेस्टिंग परिकल्पना को सार्थक बनाने के लिए कौन से साधनों की आवश्यकता है?

उत्तर - रेनवाटर हार्वेस्टिंग परिकल्पना को सार्थक बनाने के लिए रूफवाशर्स और रेनबैरल्स की आवश्यकता है।

प्रश्न 4- रेनवाटर हार्वेस्टिंग का प्रथम प्रयास कहां किया गया ?

उत्तर- रेनवाटर हार्वेस्टिंग का प्रथम प्रयास कर्नाटक में किया गया ।

पाठ से प्रश्न।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

प्रश्न-क. आज संपूर्ण विश्व में जल की समस्या विकट रूप क्यों धारण कर रही है ?

उत्तर- चाहे कृषि क्षेत्र हो या औद्योगिक क्षेत्र, घरेलू उपयोग के लिए हो या अन्य किसी काम के लिए देश के सर्वांगीण विकास के लिए जल अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्व में जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ जल की खपत बढ़ रही है और इसलिए आज जल की समस्या विकट रूप धारण कर रही है।

प्रश्न-ख. वर्षा के अनियमित होने का प्रभाव किस-किस पर पड़ता है? आज तालाब और उनकी क्या स्थिति है?

उत्तर- वर्षा के अनियमित होने का प्रभाव केवल कृषि पर ही नहीं अपितु ऊर्जा संसाधनों और पेयजल योजनाओं पर भी पड़ता है । आज तालाब और कुएं का पानी सूख रहे हैं या उसमें पानी बहुत नीचे चला गया है ।

प्रश्न- वर्षा जल संचयन से आप क्या समझते हैं? इससे क्या लाभ है ?

उत्तर- वर्षा जल संचयन एक साधारण और किफायती तरीका है, जिसमें छत एवं आंगन में गिरने वाले बरसाती पानी को पाइपों के माध्यम से दिशा देकर जमीन के नीचे अथवा टंकियों में जमा किया जाता है। यह संग्रहित पानी लंबे समय तक सतह के नीचे पानी के भंडार को बढ़ाकर पानी की समस्या का समाधान करता है।

प्रश्न-घ. राष्ट्रीय पेयजल मिशन क्या है?

उत्तर- सन 1986 में भारत सरकार ने पेयजल की आपूर्ति के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन बनाया था। सन 1991 में इस तकनीकी मिशन का नाम बदलकर राष्ट्रीय पेयजल मिशन कर दिया गया।

प्रश्न- वर्षा जल संचयन की परिकल्पना को सार्थक बनाने के लिए किन वस्तुओं की आवश्यकता होती है और उनका क्या काम है ?

उत्तर- वर्षा जल संचयन की परिकल्पना को सार्थक बनाने के लिए रूफवाशर्स और रेनवैरल्स की आवश्यकता होती है। रूफवाशर्स पहली वर्षा के दूषित जल को एक विशेष टंकी में एकत्र करता है। जिसे सिस्टर्न कहते हैं। सिस्टर्न भर जाने पर उसका मुंह अपने आप बंद हो जाता है। फिर वर्षा का शुद्ध जल रेनबैरल में जमा होता है। यह पानी अत्यंत मृदु होता है ।

प्रश्न- हमारे देश के किस प्रांत में इस परिकल्पना को अपनाने से भरपूर सफलता मिली है ?

उत्तर- हमारे देश के कर्नाटक प्रांत में इस परिकल्पना को अपनाने से भरपूर सफलता मिली है।

पाठ 15 गिरिधर की कुंडलियां

कवि- गिरिधर कविराय।

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1.कुंडलियां क्या होती है? इन कुंडलियों के रचयिता कौन है ?

उत्तर- कुंडलियां एक विशिष्ट प्रकार की काव्य रचना होती है। जिसमें छह पंक्तियां होती है, जिन्हें चरण कहा जाता है। इसमें प्रथम चरण का पहला शब्द और अंतिम चरण का अंतिम शब्द एक समान होते हैं। इन कुंडलियों के रचयिता श्री गिरिधर कविराय जी हैं।

प्रश्न 2. किनके बिना व्यक्ति समाज में सम्मान का पात्र नहीं होता?

उत्तर- अच्छे गुणों के बिना व्यक्ति समाज में सम्मान का पात्र नहीं होता।

प्रश्न 3. कुंडलियों के माध्यम से कवि क्या सिखाना चाहते हैं?

उत्तर- कुंडलियों के माध्यम से कवि हमें बताना चाहते हैं कि मानव जीवन अनंत काल के लिए नहीं अपितु सीमित अवधि के लिए मिला हुआ है। इसलिए जीवन को व्यर्थ की बातों में नहीं गंवाना चाहिए। जगत में केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जिसे सोच समझकर कार्य करने की बुद्धि दी गई है। समस्त गुणों से युक्त बनाया गया है। बुद्धि का प्रयोग सकारात्मक कार्यों एवं परोपकार हेतु किया जाना चाहिए। समाज कल्याण हेतु सदैव तत्पर रहना चाहिए।

लिखित प्रश्न

प्रश्न1. कोयल और कौए का उदाहरण किस संदर्भ में दिया गया है? क्या वह सार्थक है?

उत्तर- कौए और कोयल का उदाहरण देकर कवि ने यह बताना चाहा है कि जिस तरह कौए और कोयल का रंग एक सा होता है परंतु फिर भी उनके गुण अलग-अलग होते हैं। लोग कोयल को तो पसंद करते हैं पर कोई कौए को पसंद नहीं करता। ठीक उसी प्रकार मनुष्य के अंदर अगर अच्छे गुण होंगे तो लोग उन्हें पसंद करेंगे, वरना उन्हें कोई पसंद नहीं करेगा। हाँ, यह पूरी तरह सार्थक है।

प्रश्न 2. प्रत्येक कार्य सोच विचार कर क्यों करना चाहिए? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर- प्रत्येक कार्य सोच विचार कर करना चाहिए क्योंकि जो बिना विचारे कार्य करता है बाद में उसे पछताना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर अगर कोई व्यक्ति अपने काम को लेकर रिश्वत लेता है और बाद में पकड़ा जाता है। तो उसे पछताना भी पड़ता है और पूरे जग में उसकी हंसाई भी होती है। उस पर यह युक्ति ठीक बैठती है कि बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताए।

प्रश्न 3. धनवान होने पर अभिमान क्यों नहीं करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- धनवान होने पर भी अभिमान नहीं करना चाहिए क्योंकि जिस तरह जल स्थिर नहीं होता है धन भी उसी तरह स्थिर नहीं होता है। धन को जितना रखने की कोशिश करो, वह कभी नहीं रहता। अगर धन को लेकर मनुष्य घमंड करता है, तो एक ना एक दिन वह घमंड टूट ही जाता है।

प्रश्न 4. घर में पैसे बढ़ जाने पर मनुष्य को क्या करना चाहिए? और क्यों?

उत्तर- घर में पैसे बढ़ जाने पर मनुष्य को खुले दिल से लोगों की मदद करनी चाहिए। परोपकार के लिए उस धन का इस्तेमाल करना चाहिए। उस धन को समाज सेवा के कार्यों में लगाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से एक तो बुरे लोगों की बुरी नजर उन पर नहीं पड़ती। साथ ही समाज में उनकी इज्जत बनी रहती है।

प्रश्न 5. हमें किस तरह के गुणों को अपने अंदर रखना चाहिए और क्यों?

उत्तर- हमें अपने अंदर सद्गुणों को रखना चाहिए जिनमें परोपकार, धार्मिक गुण, अहिंसा का भाव मैत्रीपूर्ण व्यवहार, दानशीलता इत्यादि समाते हैं। हमें ऐसा इसलिए करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से समाज में हमारा मान सम्मान बढ़ेगा। साथ ही साथ हमारा अनुकरण करने वाले समाज के बहुत लोग सामने आएंगे। जिससे समाज का भला ही होगा ।प्रश्न 6. प्रस्तुत कविता के कवि का परिचय दीजिए।

उत्तर- प्रस्तुत कविता के कवि श्री गिरिधर कविराय जी है। इनका जन्म 18वीं शताब्दी में हुआ था। इनका मूल नाम हरिदास भाट अथवा ब्रह्मभट्ट था‌। ऐसा अनुमान है कि गिरधर पंजाब के रहने वाले थे। किंतु बाद में इलाहाबाद के आसपास रहने लगे थे। जिन्होंने अपना समस्त काव्य कुंडलियों में ही रचा। इनकी कुंडलियों की भाषा अवधि और पंजाबी मिश्रित है। इनकी 500 से अधिक कुंडलियां गिरिधर कविराय ग्रंथावली में संकलित है। जिनमें से अधिकांश नीतिपरक है।

पाठ 18 भक्ति पदावली

कवि- सूरदास ,रसखान, कबीरदास, मीराबाई

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1. सूरदास कौन थे? वह किसके भक्त थे?

उत्तर सूरदास श्री कृष्ण लीला के अमर गायक एवं भक्त कवि है इन्होंने कृष्ण की भक्ति में लगभग सवा लाख पदों की रचना की। सूरसागर इनकी अमर कृति है। वे श्री कृष्ण के भक्त थे।

प्रश्न 2. कबीरदास के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर- कबीर दास जी का जन्म काशी में हुआ था। हिंदी के आरंभिक कवियों में इनका प्रमुख स्थान है। इनकी रचनाएं तीन भागों में बांटी गई है साखी, सबद और रमैनी। इन्होंने अपनी रचनाओं में धार्मिक आडंबर एवं जाति पाती का विरोध किया है।

प्रश्न3. रसखान किसके भक्त थे ?

उत्तर- रसखान श्री कृष्ण के भक्त थे और कृष्ण का सान्निध्य पाने के लिए वे बार-बार उस ब्रज -भूमि पर जन्म लेना चाहते थे, जहां कृष्ण ने लीला की थी।

प्रश्न4. मीराबाई के हरि कौन है?

उत्तर- मीराबाई के हरी श्री कृष्ण है। यह बचपन से ही श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहती थी। उन्होंने श्रीकृष्ण की भक्ति में फुटकर पदों की रचना की।

प्रश्न 5. 'बूड़ते गजराज' की कथा क्या है?

उत्तर- एक बार गजराज गंडक नदी में पानी पीने के लिए उतरे। उसी समय पानी के अंदर छिपा मगरमच्छ बाहर निकला और उसने गजराज को पकड़ लिया। गजराज और मगरमच्छ में घमासान युद्ध होने लगा। गजराज ने अपने आपको बचाने की बहुत कोशिश की परंतु वह उसमें नाकामयाब रहा। अंत में उसने मन ही मन ईश्वर को पुकारा। तब विष्णु भगवान उपस्थित हुए एवं उन्होंने गजराज को मगरमच्छ से बचाया।

प्रश्न 6. भक्त कवियों के बारे में अपने विचार लिखें।

उत्तर - हिंदी साहित्य के मध्य युग में अनेक भक्त कवियों का जन्म हुआ। उन्होंने अपनी रचनाओं के द्वारा उस समय की जनता में ईश्वर के प्रति निष्ठा और भक्ति की भावना जगा कर उनके मन में अलौकिक शक्ति का संचार किया था। आज भले ही समय बदल गया हो परंतु भक्त कवियों द्वारा समाज में जिस भक्ति भावना का संचार किया गया था। उसकी तरंगे हमें आज भी आंदोलित करती है।

पाठ से प्रश्न

प्रश्न1. सूरदास जी ने अपने पद में चढ़े ना दूजा रंग किसके विषय में कहा है?

उत्तर- सूरदास जी ने अपने पद में चढ़े ना दूजा रंग नास्तिक व्यक्ति के विषय में कहां है ।जो ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास नहीं करता है। ऐसे व्यक्ति पर किसी भी अच्छे गुण का प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्रश्न2. सब सांसो की सांस में कौन है? कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

उत्तर- ईश्वर ही सब सांसों की सांस में है। कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि कवि के अनुसार ईश्वर किसी भी मंदिर, मस्जिद ,कैलाश किसी क्रिया कर्म या जोग बैराग में नहीं मिलते, बल्कि ईश्वर तो हर जगह मौजूद होते हैं जो उन्हें अपने दिल से पुकारता है, ईश्वर उन्हें प्राप्त हो जाते हैं । अर्थात ईश्वर हर मनुष्य की सांसो में बसे हुए हैं।

प्रश्न 3. रसखान क्या देखने के लिए व्याकुल है तथा क्यों ?

उत्तर- रसखान श्री कृष्ण को देखने के लिए व्याकुल है क्योंकि कभी कृष्ण से इतना प्रेम करते हैं कि पूरा जीवन उनके पास ही व्यतीत करना चाहते हैं। इसलिए वह जिस किसी रूप में भी संभव हो सके उसी रूप में ब्रज भूमि में रहना चाहते हैं । इस कारण कभी पशु, पक्षी और पहाड़ के रूप में भी रहने के लिए तैयार है। ताकि उस रूप में रहकर भी श्री कृष्ण का सानिध्य प्राप्त कर सकें।

प्रश्न 4. मीराबाई किसे शीश नवा रही है ?उन्होंने किन किन की पीड़ा हरी है ?

उत्तर- मीराबाई श्री कृष्ण के कमल रूपी चरणों के सामने शीश नवा रही है। मीराबाई के अनुसार हरि ही ऐसे ईश्वर हैं, जिन्होंने बहुत लोगों की मदद की है। उन्होंने द्रौपदी की लाज रखी भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए नरसिंह अवतार धारण किया और हिरण्यकशिपु का वध किया । उन्होंने डूबते हुए गजराज की रक्षा भी की और उन्हें पानी से बाहर निकाला इत्यादि।

प्रश्न5. पल भर की तलाश में कौन किसे तथा कैसे मिल सकता है ?

उत्तर- पल भर की तलाश में ईश्वर सच्चे भक्तों को मिल सकता है । यदि सच्चा भक्त अपने अंदर ही ईश्वर को खोजने का प्रयास करें, तो वह उन्हें अपने हृदय में ही मिल जाएंगे।

प्रश्न 6. भुजंग, काग, श्वान, खर और मर्कट का क्या स्वभाव है? सूरदास जी इन के माध्यम से क्या समझाना चाहते हैं ?

उत्तर- भुजंग को जितना भी दूध पिलाया जाए वह अपना विष नहीं त्यागता बल्कि एक ना एक दिन उसी व्यक्ति को डस लेता है। कौवे को जितना भी कपूर दे दिया जाए, वह उसे कभी नहीं तखता, कुत्ते को जितना भी गंगा में नहलावा दो ,वह पवित्र नहीं हो जाता। गधे को अगर चंदन केसर आदि का सुगंधित लेप भी लगा दिया जाए, तब भी वह सुंदर नहीं बन जाता और बंदर को जितने भी आभूषण पहना लो वह उसका मान कभी नहीं रखता । इन सब के माध्यम से सूरदास जी यही समझाना चाहते हैं कि जिनकी जैसी प्रकृति है वह वैसा ही व्यवहार करते हैं। इसलिए उन लोगों पर किसी भी तरह की अच्छी बातों का असर नहीं होता अतः हमें अपने आपको उन लोगों से दूर कर लेना चाहिए, जिन लोगों का नाता ईश्वर से नहीं है।

----------------------------------------